Title: Need to direct the Government of Uttar Pradesh to roll back of increased fees in colleges and universities and to increase the number of admission of students.

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : माननीय अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले छात्रों की फीस में बेतहाशा वृद्धि की है। इसके साथ-साथ स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में सीटों की संख्या को भी दो-तिहाई से ज्यादा घटा दिया है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति ने गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधीन आने वाले महाविद्यालयों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या में दो-तिहाई से ज्यादा कटौती करके वहां पर एक विकट स्थिति पैदा कर दी है। मैं अपने महाराजगंज संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के मात्र एक जवाहरलाल नेहरू स्मारक पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज का उदाहरण आपके सामने रखना चाहता हूं। हमारे पी.जी. कॉलेज में पिछले साल स्नातक के अंतर्गत 2215 छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया था। इसी तरह से एम.ए. प्रथम वर्ा हिन्दी में 134 छात्रों ने और एम.ए. प्रथम वर्ा राजनीतिक शास्त्र में 120 छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया था। गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा महाराजगंज पी.जी. कॉलेज में इस वर्ा स्नातक के लिए मात्र 650 छात्रों के प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है और राजनीति शास्त्र और हिन्दी के लिए मात्र 60-60 छात्रों के प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है। इस घटना से महाराजगंज पी.जी.कॉलेज के छात्र आंदोलनरत हैं। पांच छात्र लगातार चार दिनों से महाराजगंज पी.जी.कालेज में अनशन पर बैठे हुए हैं जिससे एक विकट स्थिति पैदा हो गई है। जिला प्रशासन ने भी इस पर गंभीर चिन्ता व्यक्त की है और विश्वविद्यालय प्रशासन से

---

* Not Recorded

आग्रह किया है कि वह सीटों की संख्या बढ़ाकर छात्रों की समस्या का निराकरण करे। हम आपके माध्यम से सरकार से मांग करते हैं कि यह सरकार राज्य सरकार को गोरखपुर विश्वविद्यालयों के कुलपति को इस विवेकहीन निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य करे और छात्रों का प्रवेश सुनिश्चित कराए। छात्रों की फीस में जो बेतहाशा वृद्धि की गई है, इससे गरीब छात्र शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। इसलिए हम केन्द्रीय सरकार से आग्रह करते हैं कि राज्य सरकार को और विशेाकर उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देशित करे कि जो बढ़ी हुई फीस है, उसको वाप्स लेने का काम करें और जो छात्र अनशनरत हैं, उनका अनशन उनकी मांगों को मनवाकर तुड़वाया जाए।